



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II-खण्ड 3-उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 216]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 30, 1976/वैशाख 10, 1898

No. 216]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 30, 1976/VAISAKHA 10, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह छल्लग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 30th April 1976

S.O. 336(E).—Whereas, by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 333(E)/18A/IDRA/72, dated the 4th May, 1972 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Smith Stanistreet and Company Ltd., Calcutta, was taken over under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of two years upto and inclusive of the 3rd May, 1974;

And whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 280(E), dated the 2nd May, 1974, the duration of the said Order was extended for a further period of two years upto and inclusive of the 3rd May, 1976;

And whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking should continue for a further period of one year under the Indian Drugs and Pharmaceuticals Ltd., New Delhi, authorised by the Central Government in the said Order;

(1069)

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year upto and inclusive of the 3rd May, 1977.

[No. F.4/2/72-CUC]

G. N. MEHRA, Jt. Secy.

उद्योग और नागरिक पूति मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1976

का० आ० 336 (घ).—भारत सरकार के भूत पूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 333 (अ)/18ए/आई०डी०आर०ए०/72, तारीख 4 मई, 1972 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा स्मिथ स्टेनी स्ट्रीट एंड कंपनी लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-क के अधीन 3 मई, 1974 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित था, 2 वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था ;

और भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 280(अ) तारीख 2 मई, 1974 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 3 मई, 1976 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, दो वर्ष की और अवधि के लिए बढ़ा दी गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध इंडियन इरज एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के अधीन, जिसे केन्द्रीय सरकार द्वारा उक्त आदेश में प्राधिकृत किया गया है, एक वर्ष की और अवधि के लिए जारी रखा जाना चाहिए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि ऊपर वर्णित आदेश 3 मई, 1977 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा ।

[सं० 4/2/72-सो यू सी]

जी० एन० मेहरा, संयुक्त सचिव ।